Bareilly Monday, 16 January 2023
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 10

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO : 4 MIDDLE

धूमधाम से निकली गधे की बारात

रिद्धिमा में नई दिल्ली के बेला थिएटर कारवां की ओर से हुआ नाटक का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (15 Jan): एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नई दिल्ली के बेला थिएटर कारवां की ओर से नाटक गधे की बारात का मंचन हुआ. हरिभाई वडगाओंकर लिखित और अमर शा निर्देशित यह नाटक समाज के दोहरे मापदंड पर एक व्यंग है, जिसमें अमीर और गरीब के बीच की खाई को दिखाया गया.

मंच पर कलाकारों ने दी मनभावन प्रस्तुति.

बदल गया गधे का समय

मंचन में दिखाया कि किस तरह समय बदल जाता है, लेकिन अमीर और गरीब के बीच की खाई कभी कम नहीं होती. नाटक की शुरुआत इंद्र के दरबार से होती है. जहां एक अप्सरा नृत्य कर रही है. तभी नशे में धुत चित्रसेन उसका हाथ पकड़ लेता है. इंद्र चित्रसेन को मृत्यु लोक में गधे के रूप में जाने का श्राप देते हैं. चित्रसेन के माफी मांगने पर इंद्र कहते हैं कि मृत्यु लोक में अंधेर नगरी चौपट राजा की बेटी से विवाह करने के बाद वो श्राप मुक्त हो जाएगा. श्राप मिलने के बाद चित्रसेन धरती पर आकर गधे के रूप में कल्लू के घर पहुंचता है.

राजा करते हैं घोषणा

वहां का राजा सत्यधर्म वर्मा, जनता में लोकप्रियता हासिल करने के लिए घोषणा करता है कि अगर कोई एक रात में राज महल से कुम्हार वाड़ा तक पुल बना देगा और राज्य में गरीब और अमीर के बीच अंतर को समाप्त कर देगा तो उसके साथ मैं अपनी बेटी राजकुमारी सत्यवती की शादी कर दूंगा. गधा बना चित्रसेन कल्लू से इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए कहता है. वह रात भर में पुल का निर्माण कर देता है और उसका विवाह राजा की पुत्री से हो जाता है. राजा की पुत्री से शादी होने के बाद वह राजमहल चला जाता है और गरीब कल्लू जिसने उसे लंबे समय तक पाला को वहीं गरीब का गरीब ही रह जाता है. एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गिरिधर गोपाल खंडेलवाल, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा आदि उपस्थित रहे.